लेण्ड्रा में जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर आयोजित

हितग्राहियों को दिया गया उज्जवला गैस कनेक्शन और मिनीकिट

जगदलपुर, 06 जुलाई (सन्यूस)।दरभा विकासखण्ड के ग्राम पंचायत लेण्ड्रा में 5 जुलाई को जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में कुल आवेदन मांग के 105, समस्या के 3 इस तरह कुल 108 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से मांग के 90 एवं समस्या के 3 आवेदनों का शिविर स्थल पर निराकरण किया गया।

इस अवसर पर शिविर में पशु चिकित्सा विभाग द्वारा ज्वार दो किलोग्राम का 4 पैकेट वितरित की गई। कृषि विभाग द्वारा 2 नग स्प्रेयर मशीन एवं मिनीकिट अरहर 10 किलोग्राम एवं उड़द 10 किलोग्राम वितरित की गई। उद्यान विभाग द्वारा 4 नग सब्जी मिनीकट वितरित की गई। श्रम विभाग द्वारा मुख्यमंत्री सायकल योजनान्तर्गत 105 सायकिलों का वितरण किया गया एवं राजमिस्त्री औजार 2, बढ़ाई मिस्त्री औजार 4 नग वितरित की गई। उज्जवला योजना के तहत 30 एलपीजी गैस कनेक्शन हितग्राहियों को वितरित की गई।

इस अवसर पर कलेक्टर धनंजय देवांगन ने ग्रामीणों को शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया गया। उन्होंने कहा कि शासन द्वारा सभी वर्गों के कल्याण के लिए विभिन्न प्रकार की योजना संचालित है। उन्होंने अपने बच्चों को नियमित तौर पर स्कूल और आंगनबाड़ी केन्द्र भेजने की अपील की।कलेक्टर ने इस क्षेत्र के ग्राम पंचायत सचिव, स्वास्थ्य कार्यकर्ता, पशु चिकित्सक, ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी, विद्युत विभाग के लाईनमेन सहित अन्य मैदानी अमला के कामकाज की जानकारी भी ग्रामीणों से ली। इस अवसर पर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री प्रभात मलिक सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधिगण एवं ग्रामीण उपस्थित थे।

नारायणपुर के पांच स्वास्थ्य केन्द्र मॉडल हेल्थ वेलनेस सेंटर के रूप में होंगे विकसित

कम्यूनिकेबल और नॉन कम्यूनिकेबल दोनों तरह की बीमारियों का होगा इलाज

कलेक्टर की अध्यक्षता में जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक सम्पन्न

नारायणपुर 06 जुलाई (सन्यूस)। नारायणपुर विकासखंड के बेनूर प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र सहित चार उप स्वास्थ्य केन्द्र ग्राम रेमावण्ड, नेलवाड़, एड़का और बिंजली को मॉडल 'हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर' के तौर पर विकसित किया जाएगा। यह काम आगामी 15 अगस्त तक पूर्ण किया जाएगा। इन सेन्टरों में कम्यूनिकेबल और नॉन कम्यूनिकेबल दोनों तरह की बीमारियों का होगा इलाज। कलेक्टर श्री टोपेश्वर वर्मा की अध्यक्षता में 06 जुलाई को यहां आयोजित जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक में स्वास्थ्य अधिकारियों द्वारा जानकारी दी गई। कलेक्टर श्री वर्मा को अधिकारियों ने प्रोजेक्टर के माध्यम से प्रस्तुतिकरण दिया। अधिकारियों ने बताया कि वर्ष 2018-19 में जिले के सभी 13 स्वास्थ्य केन्द्रों को हेल्थ वेलनेस सेंटर में बदला जाएगा। अधिकारियों ने बताया कि प्रदेश के 10 आकांक्षी जिलों में 51 स्वास्थ्य केन्द्र मॉडल हेल्थ वेलनेस सेंटर के रूप में विकसित किया जा रहा। बस्तर संभाग में इनकी संख्या 36 है।

कलेक्टर श्री वर्मा ने कहा कि देश में स्वास्थ्य सुविधाएं बढ़ाने के लिए भारत सरकार ने स्वास्थ्य के क्षेत्र की आधारभूत अधोसंरचना में अमूल चूल परिवर्तन किया है। उन्होंने कहा कि फिलहाल स्वास्थ्य उपकेन्द्रों में अधिक माँ बच्चों के स्वास्थ्य पर ध्यान दिया जाता है और कुछ ही स्वास्थ्य सेवाएं मिल रही है। इनकी जगह हेल्थ वेलनेस सेंटर बन जाने से करीब 12 तरह की चिकित्सा सेवाएं मिलनी शुरू हो जाएंगी। इन केन्द्रों पर काफी व्यापक स्तर पर जच्चा-बच्चा देखभाल, बच्चों और किशोरों की चिकित्सा, परिवार नियोजन और प्रजनन सेवाएं, संक्रामक रोग प्रबंधन, गैर संक्रामक रोगों का उपचार और बुजुर्गों की देखभाल शामिल है। इस योजना पर केन्द्र सरकार 60 प्रतिशत और राज्य सरकार 40 प्रतिशत राशि का वहन करेंगी। श्री वर्मा ने निर्धारित माप-दण्ड अनुसार केन्द्रों की रंगाई-पुताई एवं चित्रकारी जल्द से जल्द पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने अंचल के पारम्परिक चित्रकारी सेंटरों पर की जाए। इसके साथ ही कलेक्टर ने जरूरी दिशा-निर्देश दिए। बैठक में प्रस्तावों का अनुमोदन किया गया। इस अवसर पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अशोक चौबे, डिप्टी कलेक्टर एस.एन.वाजपेयी, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. ए.आर. गोटा, सिविल सर्जन, डॉ. एन.के. सूर्यवंशी,